Rayhope
kidney stone remover

Ayurvedic
Proprietary medicine

Combo Pack :

syrup (200 ml)
+ 30 capsule (500 mg)

M.R.P : 650

Ayush, GMP,
ISO Certified

Product by
Rayhope Global

Rayhope Global Marketing Private Limited

Scanned with OKEN Scanner

किडनी (गुर्दा) मानव शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है। किडनी की खराबी, किसी गंभीर बीमारी या मौत का कारण भी बन सकता है। किडनी की रचना बड़ी अटपटी है और उसके कार्य अत्यंत जटिल हैं उनके दो प्रमुख कार्य हैं - हानिकारक उत्पादों और विषैले कचरे को शरीर से बाहर निकालना और शरीर में पानी, तरल पदार्थ, खनिजों (इलेक्ट्रोलाइट्स के रूप में सोडियम, पोटेशियम आदि) बैलेंस करना है।

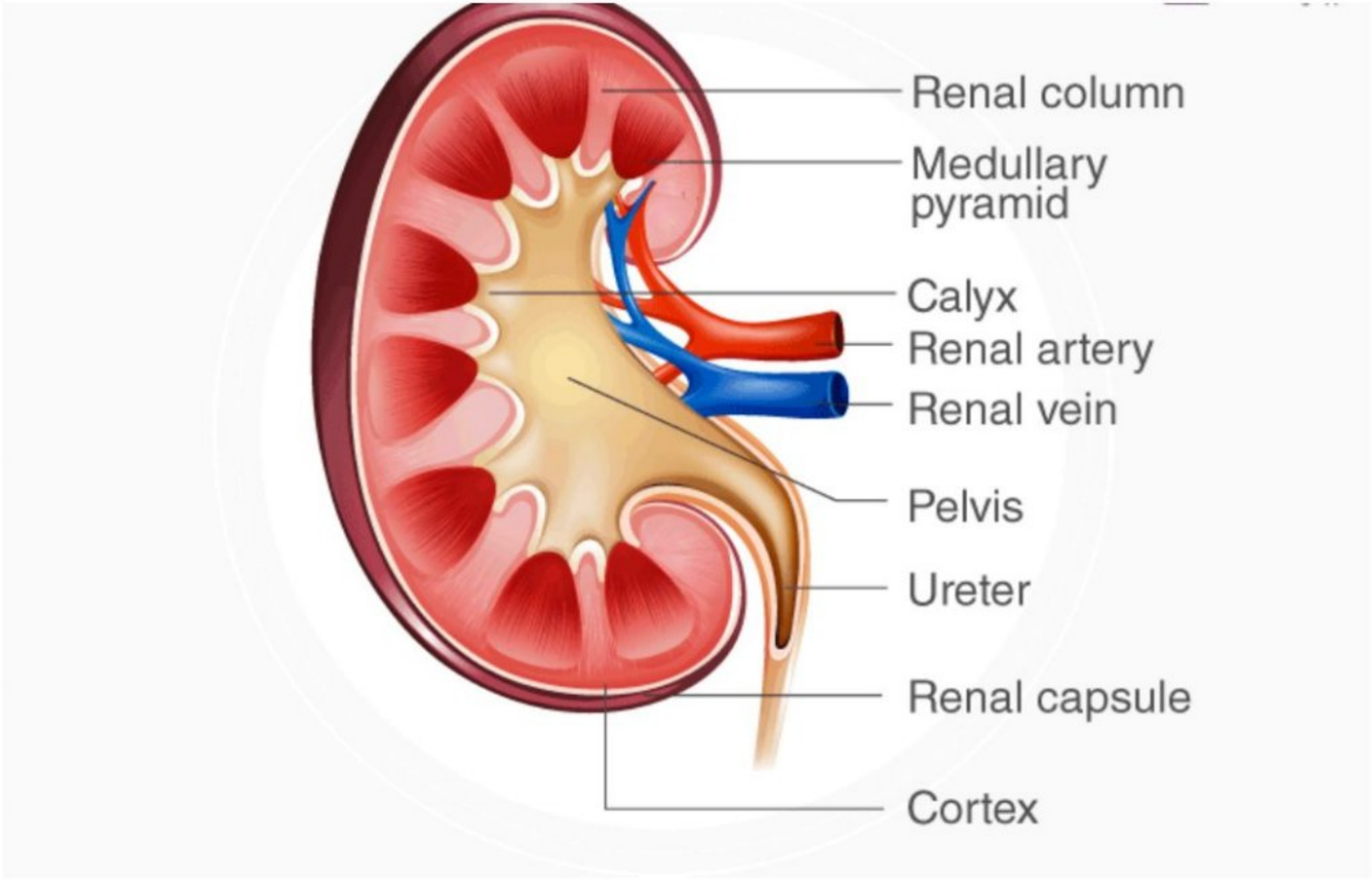

Scanned with OKEN Scanner

- **किडनी शरीर का खून साफ कर पेशाब बनाती है। शरीर से पेशाब निकालने का कार्य उरेटर, यूरिनरी ब्लैडर , और उरेथ्रा द्वारा होता है।**

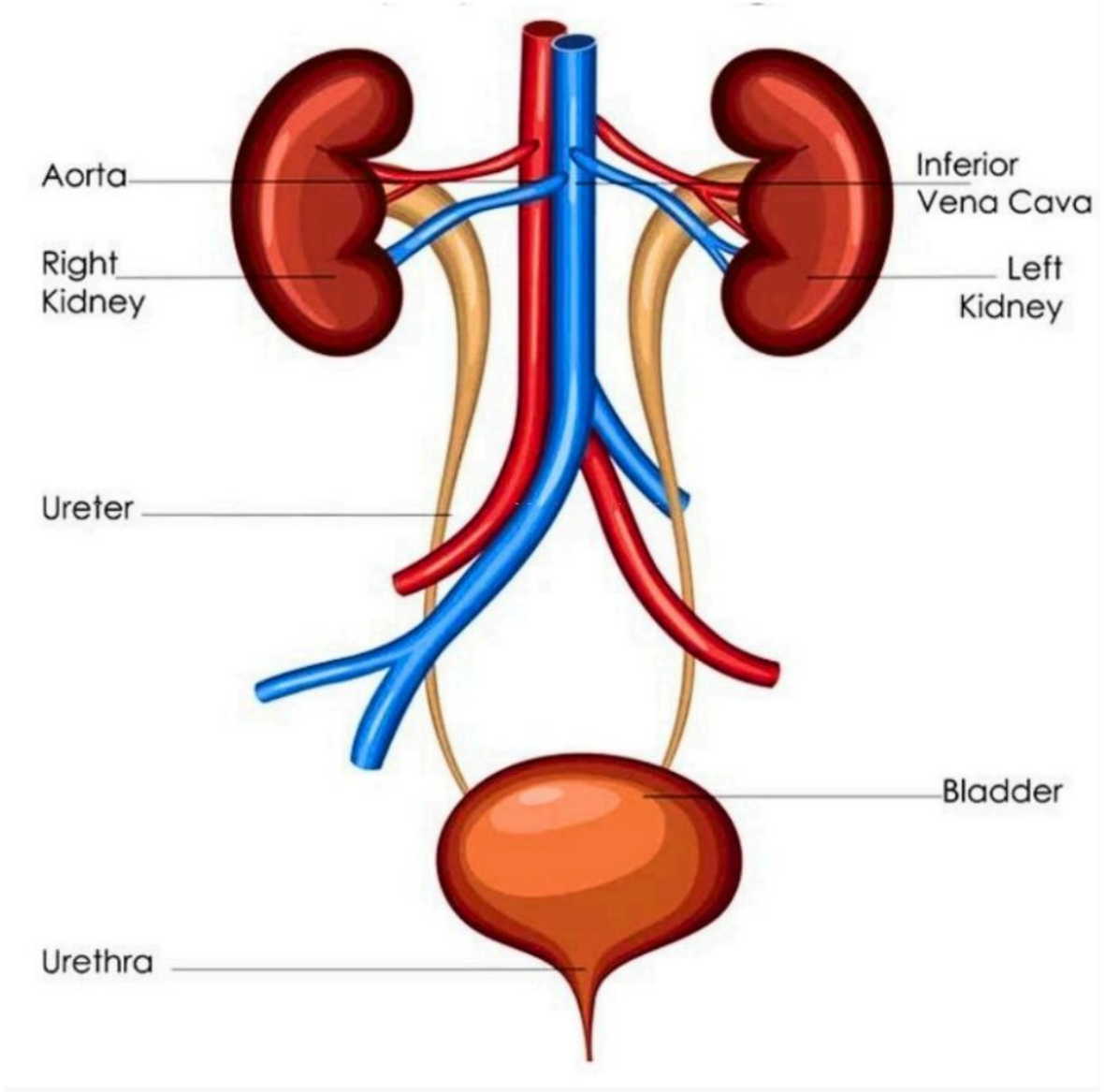

Scanned with OKEN Scanner

- स्त्री और पुरुष दोनों के शरीर में सामान्यत: दो किडनी होती है।

- किडनी पेट के अंदर, पीछे के हिस्से में, रीढ़ की हड्डी के दोनों तरफ (पीठ के भाग में), स्थित होती है ।

- किडनी, पेट के भीतरी भाग में स्थित होती हैं जिससे वे सामान्यतः बाहर से स्पर्श करने पर महसूस नहीं होती।

- किडनी, राजमा के आकर के एक जोड़ी अंग हैं। वयस्कों में एक किडनी लगभग 10 सेंटीमीटर लम्बी, 6 सेंटीमीटर चौडी और 4 सेंटीमीटर मोटी होती है। प्रत्येक किडनी का वजन लगभग 150 - 170 ग्राम होता है।

- किडनी द्वारा बनाए गये पेशाब को यूरिनरी ब्लैडर तक पहुँचाने वाली नली को उरेटर कहते हैं। यह सामान्यत: 25 सेंटीमीटर लम्बी होती है और विशेष प्रकार की लचीली मांसपेशियों से बनी होती है।

- यूरिनरी ब्लैडर पेट के निचले हिस्से में सामने की तरफ (पेडू में) स्थित एक थैली है, जिसमें पेशाब जमा होता है।

- स्त्री और पुरुष दोनों में किडनी की रचना, स्थान और कार्यप्रणाली एक सामान होती है।

- वयस्क व्यक्ति के यूरिनरी ब्लैडर में 400 - 500 मिलीलीटर पेशाब एकत्रित हो सकता है। जब मूत्राशय की क्षमता के करीब पेशाब भर जाता है तब व्यक्ति को पेशाब त्याग करने की तीव्र इच्छा होती है।

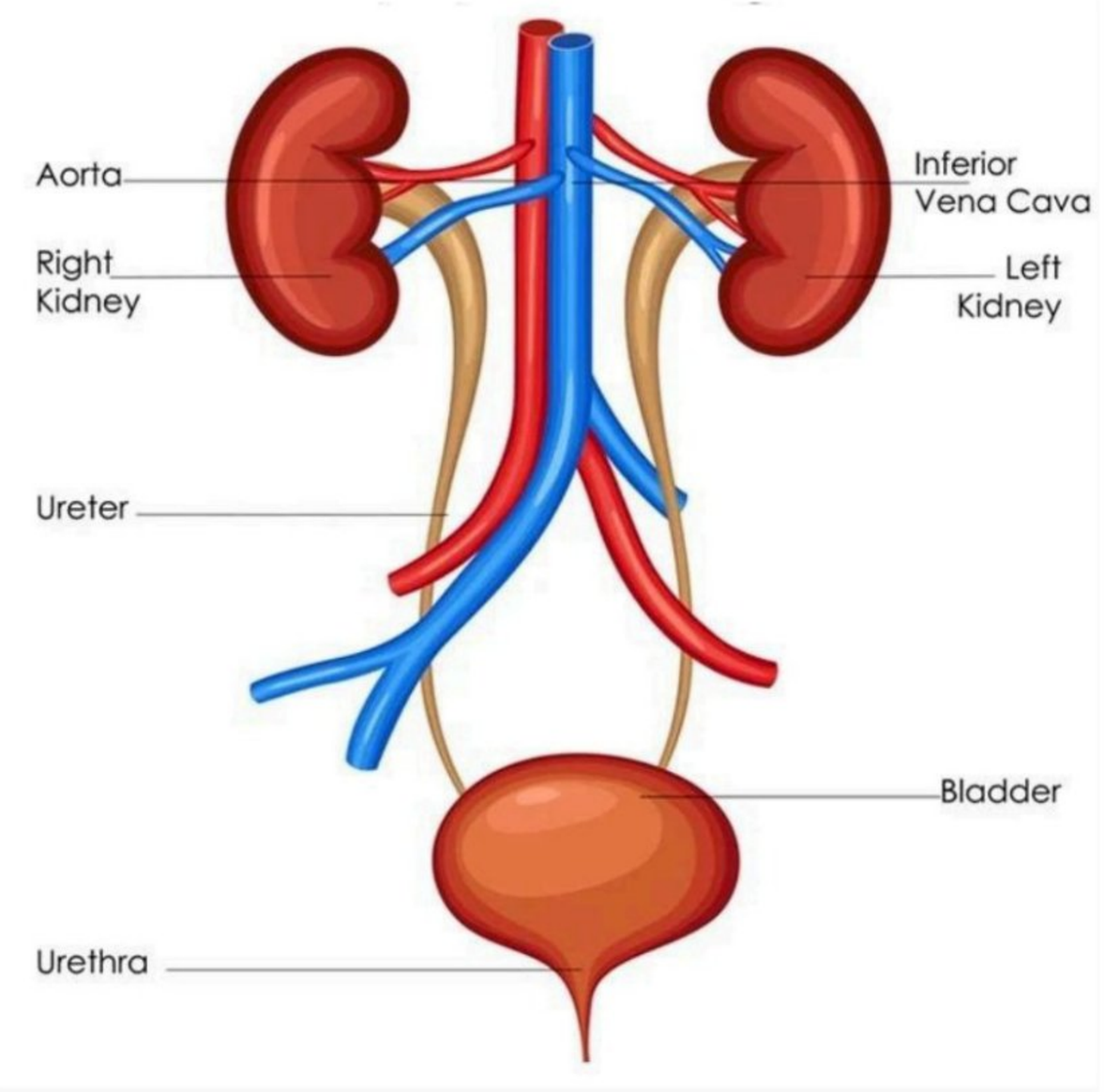

Scanned with OKEN Scanner

किडनी की जरूरत और महत्व क्या है ?

- प्रत्येक व्यकित द्वारा लिए गए आहार के प्रकार और उसकी मात्रा में हर दिन परिवर्तन होता रहता है।
- आहार की विविधता के कारण शरीर में पानी की मात्रा, अम्लीय (acidic) एवं क्षारिय (basic) पदार्थों की मात्रा में निरंतर परिवर्तन होता रहता है।
- आहार के पाचन के दौरान कई अनावश्यक पदार्थ शरीर में उत्पन्न हो जाते हैं।
- शरीर में पानी, अम्ल, क्षार तथा अन्य रसायनों एवं शरीर के अंदर पैदा होने वाले पदार्थों का संतुलन बिगडने या बढ़ने पर वह व्यक्ति के लिए जानलेवा हो सकता है।
- किडनी शरीर में अनावश्यक द्रव्यों और पदार्थों को पेशाब द्वारा दूर कर खून का शुद्धीकरण करती है और शरीर में क्षार एवं अम्ल का संतुलन कर खून में इनकी उचित मात्रा बनाए रखती है। इस तरह किडनी शरीर को स्वच्छ एवं स्वस्थ रखती है।

Scanned with OKEN Scanner

विषाक्त और हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालना

- गलत और हानिकारक उत्पादों को हटाकर रक्त की शुद्धि करना किडनी का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। हमारे द्वारा जो भोजन लिया जाता है उसमें प्रोटीन होता है। यह प्रोटीन शरीर को आरोग्य रखने और शरीर के विकास के लिए आवश्यक है। प्रोटीन का शरीर द्वारा उपयोग किया जाता है किन्तु इस प्रक्रिया में कुछ हानिकारक पदार्थों का उत्पादन होता है। इन पदार्थों का होना हमारे शरीर के अंदर जहर को बनाए रखने के समान है। हमारी किडनी, रक्त से विषाक्त हानिकारक उत्पादों को छानकर उसे शुद्ध करती हैं। ये विषाक्त पदार्थ अंततः पेशाब से विसर्जित हो जाते हैं।

- क्रीएटिनिन और यूरिया दो महत्वपूर्ण हानिकारक उत्पाद हैं। रक्त में इनकी मात्रा का ज्यादा पाया जाना , किडनी की खराब कार्यक्षमता को दर्शाता है। जब दोनों किडनी खराब हो जाती हैं, तो क्रीएटिनिन और यूरिया की मात्रा रक्त परीक्षण में उच्च स्तर पर पहुँच जाते हैं।

शरीर में पानी का संतुलन

- किडनी शरीर के लिए जरूरी पानी की मात्रा को रखते हुए अधिक जमा हुए पानी को पेशाब द्वारा बहार निकालती है। जब किडनी ख़राब हो जाती हैं तो वे इस अतिरिक्त पानी को शरीर से बाहर करने की क्षमता को खो देती हैं, शरीर में अतिरिक्त पानी एकत्रित होने के कारण शरीर में सूजन हो जाती है।

Scanned with OKEN Scanner

शरीर में अम्ल (एसिडिक) एवं क्षार (बेसिक) का संतुलन

- किडनी शरीर में सोडियम, पोटैशियम, क्लोराइड, मैग्नेशियम, फॉस्फोरस, बाइकार्बोनेट वगैरह की मात्रा यथावत रखने का कार्य करती है। उपरोक्त पदार्थ ही शरीर में अम्ल एवं क्षार की मात्रा के लिए जिम्मेदार होते हैं। सोडियम की मात्रा बढ़ने या घटने से दिमाग पर और पोटैशियम की मात्रा बढ़ने या कम होने से हृदय और स्नायु की गतिविधियों पर गंभीर असर पड़ सकता है।
- कैलशियम और फॉस्फोरस को उचित रखना और उनके स्तर को सामान्य रखना हमारे शरीर में स्वस्थ हडिड्यों और स्वस्थ दांतों के लिए अति आवश्यक है।

खून के दबाव (blood pressure) पर नियंत्रण

- किडनी कई हार्मोन बनाती है जैसे एंजियोटेन्सीन, एल्डोस्टोरोन, प्रोस्टाग्लेन्डिन इत्यादि। इन हार्मोनों की सहायता से शरीर में पानी की मात्रा, अम्लों एवं क्षारों के संतुलन को बनाए रखती है। इस संतुलन की मदद से किडनी शरीर में खून के दबाव को सामान्य बनाये रखने का कार्य करती है।किडनी की खराबी होने पर होर्मोन के उत्पादन एवं नमक और पानी के संतुलन में गड़बड़ी से उच्च रक्तचाप हो जाता है।

Scanned with OKEN Scanner

रक्तकणों के उत्पादन में सहायता

- खून में उपस्थित लाल रक्तकणों का उत्पादन एरिथ्रोपोएटीन की मदद से अस्थिमज्जा में होता है। एरिथ्रोपोएटीन किडनी में बनता है किडनी के फेल होने की स्थिति में यह पदार्थ कम या बिल्कुल ही बनना बंद हो जाता है, जिससे लाल रक्तकणों का उत्पादन कम हो जाता है और खून में फीकापन आ जाता है, जिसे एनीमिया (खून की कमी का रोग) कहते हैं।

हड्डियों की मजबूती

- स्वस्थ हड्डियों को बनाए रखने के लिए किडनी, विटामिन डी को सक्रिय रूप में परिवर्तित करती है जो भोजन से कैल्सियम के अवशोषण, हड्डियों और दांतों के विकास और हड्डियों को मजबूत और स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक होता है।

Scanned with OKEN Scanner

हर साल, पाँच लाख से ज़्यादा लोग किडनी स्टोन की समस्या के लिए हॉस्पिटल के ICU में जाते हैं। अनुमान है कि दस में से एक व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी किडनी स्टोन की समस्या होगी।

पुरुषों में गुर्दे की पथरी का जोखिम लगभग 11% और महिलाओं में 9% है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह और मोटापे जैसी अन्य बीमारियाँ गुर्दे की पथरी के जोखिम को बढ़ा सकती हैं।

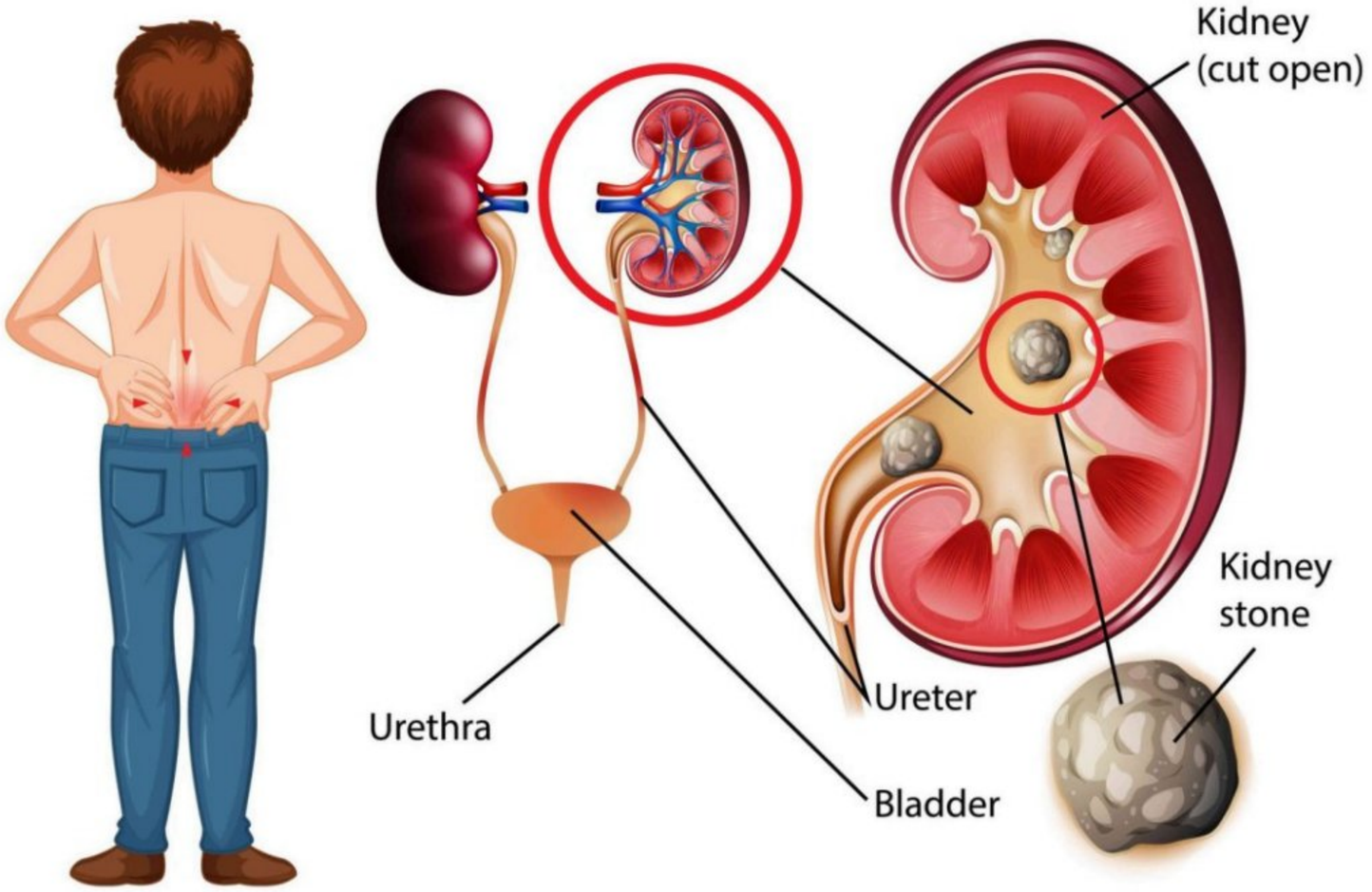

Scanned with OKEN Scanner

गुर्दे की पथरी क्या है?

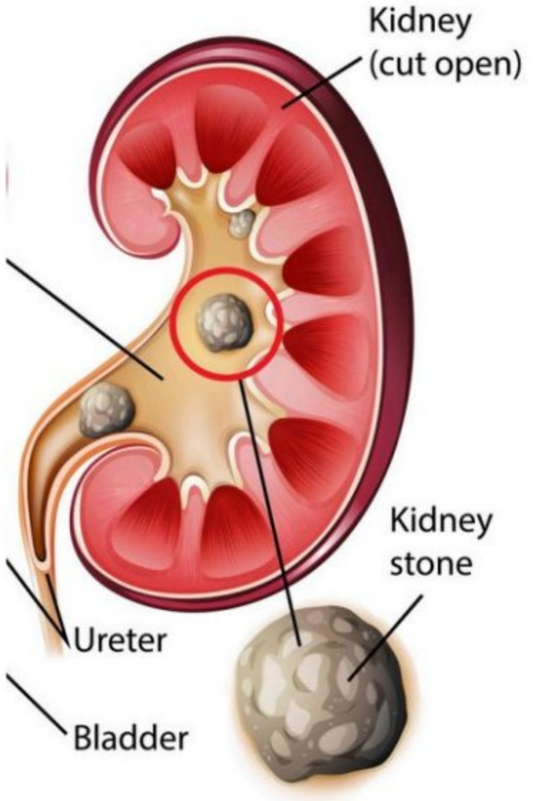

- किडनी स्टोन एक कठोर वस्तु है जो मूत्र में मौजूद रसायनों से बनती है।

किडनी स्टोन के चार प्रकार हैं:

- कैल्शियम ऑक्सालेट,
- यूरिक एसिड,
- स्ट्रुवाइट
- सिस्टीन।

- मूत्र में कई तरह के वेस्ट और ना घुलने वाले तत्व होते हैं। जब बहुत कम तरल पदार्थ में बहुत ज़्यादा ऐसे पदार्थ होता है, तो क्रिस्टल बनने लगते हैं। क्रिस्टल दूसरे तत्वों को आकर्षित करते हैं और एक साथ मिलकर ठोस पदार्थ बनाते हैं जो तब तक बड़ा होता जाएगा जब तक कि यह मूत्र के साथ शरीर से बाहर न निकल जाए। आमतौर पर, ये रसायन किडनी द्वारा मूत्र में निकाल दिए जाते हैं। ज़्यादातर लोगों में, पर्याप्त तरल पदार्थ होने से ये बाहर निकल जाते हैं या मूत्र में मौजूद दूसरे रसायन पथरी बनने से रोकते हैं। पथरी बनाने वाले रसायन कैल्शियम, ऑक्सालेट, यूरेट, सिस्टीन, ज़ैंथिन और फॉस्फेट हैं।

Scanned with OKEN Scanner

- पथरी गुर्दे में रह सकती है या युरेटर से होते हुए यूरिनरी ब्लैडर में जा सकती है या फिर उरेथ्रा में भी फस सकती है जिसके कारण अत्यधिक दर्द के कारण मूत्र रुक भी सकता है । कभी-कभी, छोटे-छोटे पत्थर बहुत ज़्यादा दर्द पैदा किए बिना मूत्र के ज़रिए शरीर से बाहर निकल जाते हैं। लेकिन जो पत्थर नहीं निकलते, वे दर्द का कारण बनते है।

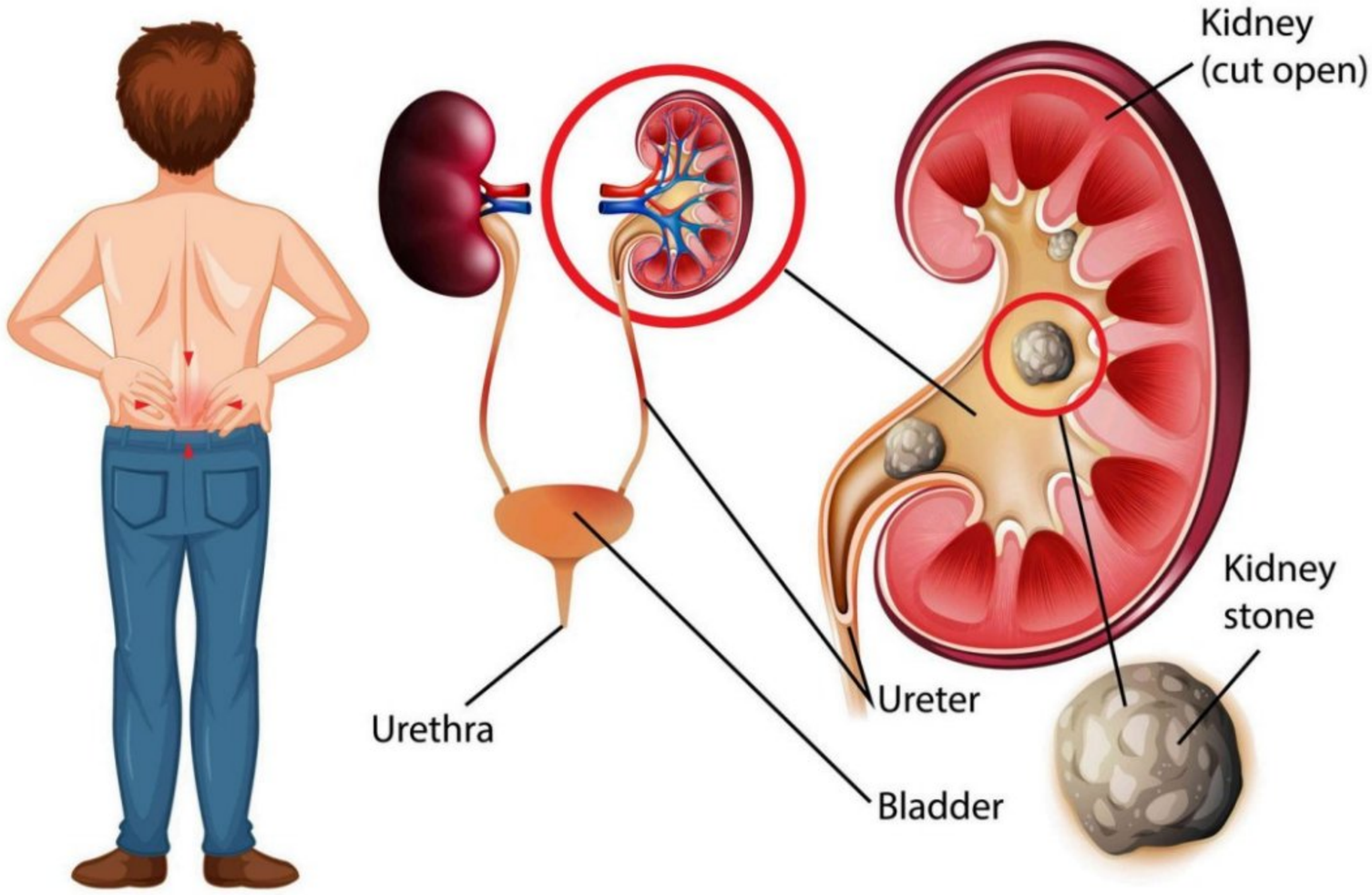

Scanned with OKEN Scanner

लक्षण

- कुछ किडनी स्टोन रेत के दाने जितने छोटे होते हैं। कुछ कंकड़ जितने बड़े होते हैं। कुछ गोल्फ़ बॉल जितने बड़े होते हैं! एक सामान्य नियम के अनुसार, स्टोन जितना बड़ा होता है, लक्षण उतने ही ज़्यादा नज़र आते हैं। लक्षण निम्नलिखित में से एक या अधिक हो सकते हैं:

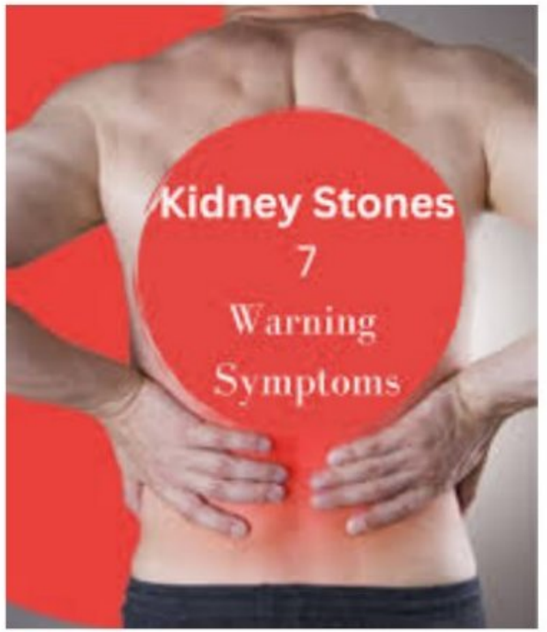

- आपकी पीठ के निचले हिस्से के दोनों तरफ तेज दर्द होना
- अधिक अस्पष्ट दर्द या पेट दर्द जो ठीक नहीं होता
- मूत्र में रक्त
- मतली या उलटी
- बुखार
- ठंड लगना
- मूत्र जो बदबूदार या धुंधला दिखता है

- गुर्दे की पथरी तब दर्द करने लगती है जब यह जलन या रुकावट पैदा करती है। यह तेजी से अत्यधिक दर्द में बदल जाती है। ज़्यादातर मामलों में, गुर्दे की पथरी बिना किसी नुकसान के निकल जाती है लेकिन आमतौर पर बहुत ज़्यादा दर्द पैदा किए बिना नहीं।

- छोटे पत्थरों के लिए दर्द निवारक दवाएँ ही एकमात्र उपचार हो सकती हैं। अन्य उपचार की ज़रूरत हो सकती है, खासकर उन पत्थरों के लिए जो स्थायी लक्षण या अन्य जटिलताएँ पैदा करते हैं। हालाँकि, गंभीर मामलों में सर्जरी की ज़रूरत हो सकती है।

Scanned with OKEN Scanner

आइये , अब हम आपको
इन परेशानियों का एक
उचित उपाय बताते हैं

Scanned with OKEN Scanner

Rayhope
kidney stone remover

Ayurvedic
Proprietary medicine

Combo Pack :

syrup (200 ml)
+ 30 capsule (500 mg)

M.R.P : 650

Ayush, GMP,
ISO Certified

Product by
Rayhope Global

Rayhope Global Marketing Private Limited

Scanned with OKEN Scanner

Contents

- Kulthi
- Pashan bhed
- Makoy
- Punarnava
- Gokhru
- Varun
- Khus
- Sehjana
- Chhoti elaychi
- Chandan

Scanned with OKEN Scanner

आइए , इस प्रोडक्ट की प्रत्येक महत्वपूर्ण सामग्री के बारे में जानना शुरू करें

Scanned with OKEN Scanner

कुल्थी की दाल (horse gram) किडनी और किडनी स्टोन के लिए वास्तव में फायदेमंद हो सकती है क्योंकि इसमें कई पोषक तत्व होते हैं जो ये स्वास्थ्य समस्याओं को संभालने में मदद कर सकते हैं:

Kulthi

- कुल्थी दाल में प्रोटीन की उच्च मात्रा होती है, जो किडनी की सेहत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह प्रोटीन अन्य स्रोतों की तुलना में अधिक पौष्टिक होता है और किडनी संबंधी समस्याओं के प्रबंधन में मदद कर सकता है।
- आयरन की उच्च मात्रा इसे किडनी स्वास्थ्य के लिए उत्तम बनाती है। अगर किडनी में आयरन की कमी हो, तो इसका सेवन किडनी स्वास्थ्य को सुधारने में मदद कर सकता है।
- कुल्थी दाल में अच्छी मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन को सुधारने और किडनी स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करता है। फाइबर उपाय स्थिति में संभाल कर रखने में मदद करता है।
- किडनी स्टोन के बनने से रोकने में मदद मिल सकती है। यह पेशाब के रास्ते से छोटे स्टोन को निकालने में भी सहायक हो सकती है।
- फाइबर का सेवन किडनी स्टोन के बनने को कम करने में मदद कर सकता है। फाइबर खाने से पाचन सुधारता है और विषैले तत्वों को खुदरा करने में मदद मिलती है।

Scanned with OKEN Scanner

पाषाण भेड़ जिसे हिंदी में "पाठरचट्टा" भी कहते हैं, किडनी स्टोन के उपचार में एक प्रसिद्ध और प्रभावी आयुर्वेदिक औषधि है। इसके कई प्रयोग हैं जो किडनी स्टोन को कम करने और उसकी रोकथाम में मदद कर सकते हैं:

Pashanbhed

- यह किडनी स्टोन के बनने से रोकने और पेशाब के रास्ते से छोटे स्टोन को निकालने में मददगार हो सकती है।
- यह औषधि मूत्रसंबंधी प्रक्रिया को उत्तेजित करने में मदद कर सकती है, जिससे कि मूत्र में संग्रहित विषैले पदार्थों का निष्कासन हो सके और किडनी स्टोन के बनने की संभावना कम हो।
- इसे (uric acid) को कम करने और मूत्रमार्ग में संचित होने वाले अन्य विषैले पदार्थों को हटाने के लिए जाना जाता है, जो कि किडनी स्टोन के बाहर निकलने में में मदद कर सकता है।
- पाषाण भेड़ पेशाब की संरचना को सुधारने में मदद कर सकती है और पेशाब के रास्ते से स्टोन को बाहर निकालने में सहायक हो सकती है।
- इसका उपयोग प्रोस्टेट स्वास्थ्य को सुधारने में भी किया जा सकता है, जो कि किडनी स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण होता है।

Scanned with OKEN Scanner

मकोय किडनी और किडनी स्टोन के लिए एक प्राकृतिक उपचार के रूप में प्रसिद्ध है, और इसके कई औषधीय गुण हो सकते हैं जो इन समस्याओं को संभालने में मदद कर सकते हैं:

makoy

- मकोय मूत्रमार्ग की सफाई में मदद कर सकता है। यह मूत्र में उत्तेजना ला सकता है और मूत्रमार्ग से स्टोन को बाहर निकालने में मददगार हो सकता है।
- इसका सेवन किडनी स्टोन के बनने से बचाने में मददगार हो सकता है।
- यह पेशाब की संरचना को सुधारने में मदद कर सकता है और पेशाब के रास्ते से स्टोन को बाहर निकालने में सहायक हो सकता है।

Scanned with OKEN Scanner

पुनर्नवा (Punarnava) को आयुर्वेद में किडनी स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण औषधि माना जाता है। यह पौधा प्राकृतिक रूप से Diuretic (मूत्रवर्धक) गुणों से भरपूर होता है, जो कि निम्नलिखित कारणों से किडनी स्वास्थ्य में मदद कर सकते हैं:

Punarnava

- पुनर्नवा मूत्रसंबंधी प्रक्रियाओं को सुधारने में मदद करता है। यह मूत्र की उत्पादन और निष्कासन को बढ़ावा देता है, जिससे कि शरीर से अधिक विषैले पदार्थों का निकासन हो सकता है और किडनी स्वस्थ्य को सुधारने में मदद मिल सकती है।
- यह शरीर से विषैले पदार्थों को हटाने में मदद कर सकता है, जो कि किडनी स्टोन और अन्य किडनी संबंधी समस्याओं के कारण उत्पन्न हो सकते हैं।
- पुनर्नवा शरीर के फ्लूइड (द्रव) बैलेंस को संतुलित करने में मदद कर सकता है, जिससे कि उत्तेजित किडनी जो बहुत अधिक पानी रिटेन कर रही हैं, उन्हें बेहतरीन संतुलन प्राप्त हो सकता है।
- पुनर्नवा किडनी स्टोन के बनने से बचाने में मददगार हो सकता है।
- यह एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुणों का स्रोत हो सकता है, जो किडनी की सूजन और दर्द को कम करने में मदद कर सकता है।

Scanned with OKEN Scanner

Gokhru

- गोखरू में पाए जाने वाले Diuretic गुण उत्तेजित किडनी को प्रोत्साहित करते हैं और मूत्र के उत्पादन को बढ़ावा देते हैं। इससे शरीर में विषैले पदार्थों के संचयन की कमी होती है और किडनी स्टोन के बनने की संभावना कम होती है।
- यह मूत्रसंबंधी प्रक्रिया को सुधारने में मदद करता है और मूत्रमार्ग से स्टोन को बाहर निकालने में सहायक होता है।
- इसका सेवन किडनी स्टोन के बनने से बचाने में मददगार हो सकता है।
- गोखरू में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं जो कि किडनी की सूजन और दर्द को कम कर सकते हैं।
- यह प्रोस्टेट स्वास्थ्य को भी सुधार सकता है, जो कि किडनी स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण होता है।

Scanned with OKEN Scanner

Varun

- वरुण का उपयोग मूत्र प्रणाली से जुड़ी समस्याओं जैसे मूत्र पथरी, मूत्र संक्रमण, और मूत्र का रुकना आदि में किया जाता है। यह मूत्र प्रवाह को बढ़ाने में सहायक होता है।
- उपयोग गुर्दे की पथरी और मूत्राशय की पथरी के उपचार में किया जाता है। यह पथरी को घुलाने और निकालने में मदद करता है।
- यह प्रोस्टेट ग्रंथि की सूजन और वृद्धि को कम करने में सहायक होता है।
- वरुण में सूजन-रोधी (anti-inflammatory) गुण होते हैं, जो सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं।
- यह पाचन तंत्र को सुधारने और अपच, गैस, और कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।
- वरुण का उपयोग रक्त को शुद्ध करने के लिए भी किया जाता है, जो त्वचा रोगों को ठीक करने में सहायक हो सकता है।
- वरुण का उपयोग जिगर और पित्ताशय की समस्याओं के इलाज में किया जाता है, जैसे कि पित्त पथरी।

Scanned with OKEN Scanner

खुस जिसे खस या वेटिवर (Vetiver) भी कहा जाता है, एक बहुमूल्य पौधा है जिसकी जड़ें जो अपनी औषधीय और सुगंधित गुणों के लिए जाना जाता है। इसके कुछ मुख्य फायदे इस प्रकार हैं:

khus

- खुस का उपयोग विशेष रूप से गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के लिए किया जाता है। खुस के पानी का सेवन करने से शरीर की गर्मी को कम करने में मदद मिलती है।
- खुस का उपयोग पाचन तंत्र को सुधारने के लिए किया जाता है। यह अपच, गैस, और पेट दर्द को कम करने में सहायक होता है।
- खुस में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं, जिससे कोशिकाओं की क्षति कम होती है और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी होती है।

Scanned with OKEN Scanner

शहजन जिसे "सहजन" या "ड्रमस्टिक ट्री" भी कहा जाता है, एक पौष्टिक और औषधीय पौधा है जो विभिन्न स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। किडनी के स्वास्थ्य के लिए शहजन के कुछ मुख्य फायदे इस प्रकार हैं:

shahjan

- शहजन के पत्ते और बीज में मूत्रवर्धक गुण होते हैं, जो शरीर से विषाक्त पदार्थों और अतिरिक्त तरल को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यह किडनी की सफाई और डिटॉक्सिफिकेशन में सहायक होता है।
- शहजन में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो किडनी की सूजन और संक्रमण को कम करने में मदद करते हैं। यह किडनी की बीमारी के लक्षणों को कम कर सकता है।
- शहजन का नियमित सेवन रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। उच्च रक्तचाप किडनी की समस्याओं का मुख्य कारण हो सकता है, इसलिए इसे नियंत्रित रखना महत्वपूर्ण है।
- शहजन का सेवन रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। डायबिटीज किडनी रोग का एक प्रमुख कारण है, इसलिए ब्लड शुगर को नियंत्रित रखना महत्वपूर्ण है।
- शहजन के पत्तों का सेवन किडनी स्टोन की रोकथाम में मदद कर सकता है। यह किडनी स्टोन के निर्माण को रोकने में सहायक होता है।

Scanned with OKEN Scanner

ऐसी स्थिति में किडनी स्टोन रिमूवर का इस्तेमाल बिना डॉक्टर से पूछे नहीं करना चाहिए

- गर्भावस्था की अवधि के दौरान
- गंभीर गुर्दे की समस्या के दौरान
- लीवर की गंभीर समस्या के दौरान

Scanned with OKEN Scanner

ऐसी स्थिति में रेहोप किडनी स्टोन रिमूवर का इस्तेमाल कर सकते हैं

- किडनी स्टोन को बनने से रोके व उसे निकलने में मदद करे
- किडनी स्टोन को घोलने में मदद करे
- मूत्र सम्बंधित प्रक्रिया को बढ़ावा दे
- किडनी से हानिकारक पदार्थ को बाहर निकाले
- मूत्र की उत्पादन और निष्कासन में मदद करे
- शरीर के फ्लूइड (द्रव्य) को संतुलित करे
- बीपी को संतुलित करे
- किडनी की सूजन और दर्द को कम करे
- रक्त को शुद्ध करे

Product by
Rayhope Global

200 ml Syrup + 30 capsules of 500 mg

M.R.P : 650

Ayurvedic
Proprietary medicine

Ayush, GMP, ISO Certified

Rayhope Global Marketing Private Limited

Scanned with OKEN Scanner

Rayhope
kidney stone remover

Product by
Rayhope Global

Ayush, GMP,
ISO Certified

Dose for syrup

5 ml सिरप गुनगुने पानी के साथ दिन में दो बार

Dose for capsule

एक कैप्सूल दिन में दो बार गुनगुने पानी के साथ

इस आयुर्वेदिक दवा के साथ दिन में
3 से **4** लीटर पानी अवस्य पीएं

Ayurvedic
Proprietary medicine

Scanned with OKEN Scanner

Rayhope
kidney stone remover

Ayurvedic
Proprietary medicine

Combo Pack :

syrup (200 ml)
+ 30 capsule (500 mg)

M.R.P : 650

Ayush, GMP,
ISO Certified

Product by
Rayhope Global

Rayhope Global Marketing Private Limited

Scanned with OKEN Scanner